सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 346 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 22 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

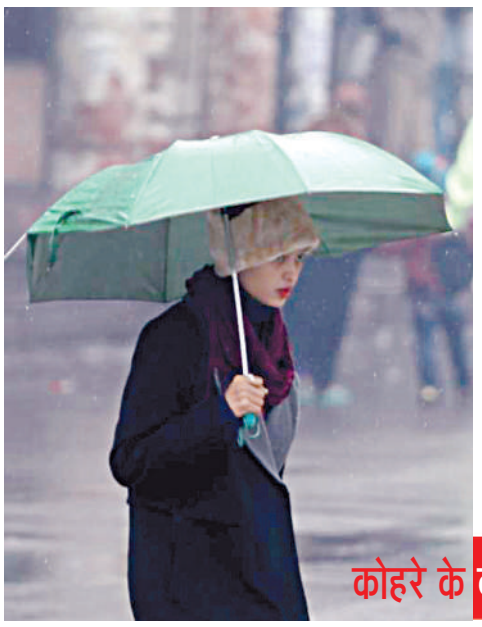

भगवान, हमारे निर्माता ने, हमारे मस्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और क्षमताएं दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना हमें इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। -डा. एपीजे अब्दुल कलाम

कोहरे के बीच बारिश से बढ़ी... 7 | सज गया सपा का आभासी मंच... 3 | अदिति सिंह को रायबरेली और... 2

# सपा की सरकार बनी तो अकेले आईटी सेक्टर में देंगे 22 लाख नौजवानों को रोजगार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने किया एक और ऐलान, कहा, रोजगार देने पर पार्टी का है फोकस

» तीन सौ यूनिट बिजली फ्री, और लैपटॉप देने का पहले कर चुके हैं ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के साथ प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सपा प्रदेश की जनता से अब तक कई वादे कर चुकी है। इसी कड़ी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज एक और ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनी तो अकेले आईटी सेक्टर में 22 लाख नौजवानों को रोजगार देंगे। सरकार इस सेक्टर से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का काम करेगी। जो सरकार पिछली बार 18 लाख लैपटॉप बांट चुकी है वह रोजगार भी उपलब्ध कराएगी। सपा का लैपटॉप आज भी चल रहा है।

उन्होंने कहा कि साल के पहले दिन संकल्प लिया था कि सपा की सरकार बनने में तीन सौ यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी और किसानों के लिए सिंचाई मुफ्त होगी। छात्रों को पूर्व की भांति लैपटॉप दिया जाएगा। सपा सरकार में दिए गए लैपटॉप से तमाम लोगों को रोजगार में मदद मिली है। लॉकडाउन के समय समाजवादी लैपटॉप लोगों के काम आया। सपा सरकार के दौरान आईटी सेक्टर में रोजगार को कैसे बढ़ावा दिया जाए इस पर प्लान तैयार किया गया था। चकगंजरिया क्षेत्र में एससीएल ने निवेश किया था। यदि इसको बढ़ाया जाता तो लखनऊ आज आईटी हब बन सकता था। उसके कैंपस में पांच हजार लोगों को नौकरी मिल चुकी है। प्रदेश में कई जगह आईटी हब बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने गाजियाबाद के कारखाने बंद कर दिये। वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट का प्रोजेक्ट कहां है? सरकार ने पांच साल तक युवाओं को स्मार्ट फोन नहीं दिए। निवेश के नाम पर कुछ नहीं दिखा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

**कांग्रेस की सुप्रिया ऐरन और पूर्व सांसद प्रवीण सिंह सपा में शामिल**

पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन और उनके पति पूर्व सांसद प्रवीन सिंह ऐरन आज सपा में शामिल हो गए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

**सपा का ऐलान करहल से चुनाव लड़ेंगे अखिलेश**

आज पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के विधान सभा चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान किया गया। पार्टी की ओर से कहा गया कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से विधान सभा चुनाव लड़ेंगे और रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीतकर विधान सभा पहुंचेंगे।

# सीएम चेहरे के बयान से पलटीं प्रियंका भाजपा ने कसा तंज

## कल प्रियंका ने खुद के सीएम फेस होने की ओर दिया था साफ संकेत

» भाजपा ने कहा, लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा निकला खोखला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के युवा घोषणा पत्र के ऐलान के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने साफ संकेत दिया था कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा वही हैं। हालांकि इसके कुछ ही घंटों बाद न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में प्रियंका ने अपने इस बयान को वापस ले लिया और कहा कि यूपी में सिर्फ वह ही पार्टी का चेहरा नहीं हैं और उन्होंने वह बात बढ़ा-चढ़ा कर कह दी थी। सीएम फेस के बयान पर प्रियंका के यूटर्न लेने पर भाजपा ने तंज कसा है।

कांग्रेस मुख्यालय पर यूपी चुनाव के लिए युवा घोषणा पत्र जारी करने के दौरान जब पत्रकारों ने प्रियंका से पूछा कि यूपी में कांग्रेस की ओर से सीएम का चेहरा कौन होगा तो उन्होंने कहा था कि क्या आपको उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तरफ से कोई और चेहरा दिख रहा है? राजनीतिक हलकों में इसके गहरे निहितार्थ माने जा रहे थे। विश्लेषकों की नजर में भी इस फैसले से यूपी में कांग्रेस काफी सीटों पर मुकाबले में जरूर दिखती लेकिन अब प्रियंका के यूटर्न से वह सब धरा का धरा रह गया। अब प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि पार्टी ही फैसला करती है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा और कुछ राज्यों में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। मैं ये नहीं कह रही हूं कि मैं ही चेहरा हूं। वह तो मैंने थोड़ा बढ़ाकर कह दिया क्योंकि बार-बार आप लोग यही सवाल कर रहे हैं। इसके बाद योगी सरकार में मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने प्रियंका गांधी को घेरा है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने कल कहा कि मैं उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा हूं और आज उस बात से पलट गई हैं। साफ है कि मैं लड़की हूं, लड़ सकती हूं का उनका नारा खोखला है। पहले वे अपने नारे को सिद्ध करके दिखाएं।

**कांग्रेस महासचिव बोली, वह तो मैंने थोड़ा बढ़ाकर कह दिया था**

## भाजपा ने तीसरे और चौथे चरण के उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

# अदिति सिंह को रायबरेली और असीम अरुण को कन्नौज से टिकट

» 85 प्रत्याशियों की सूची में 15 महिलाएं भी शामिल

» पार्टी छोड़ने वाले विधायक विनय शाक्य की बेटी रिया को बिधूना से बनाया उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के तीसरे तथा चौथे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों के लिए कल अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया। भाजपा ने बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले हाथरस के कद्दावर नेता रामवीर उपाध्याय को अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस छोड़ने वाली अदिति सिंह को रायबरेली सदर और कानपुर के पुलिस कमिश्नर पद को छोड़कर वीआरएस लेने वाले आईपीएस अधिकारी असीम अरुण को भी भाजपा ने कन्नौज सदर से चुनावी मैदान में उतारा है। 85 प्रत्याशियों की सूची में 15 महिलाओं को टिकट दिया गया है।

औरैया की बिधूना विधानसभा सीट पर भाजपा ने विधायक विनय शाक्य की बेटी रिया शाक्य को प्रत्याशी बनाया है। विनय शाक्य पिछले दिनों स्वामी प्रसाद मौर्या के समर्थन में भाजपा छोड़कर सपा में गए हैं। रिया ने अपने चाचा पर आरोप लगाया था कि उनके पिता को बंधक बनाकर रखा गया है। अब अगर विनय शाक्य इस सीट पर चुनाव लड़ते हैं तो मुकाबला रोचक होगा। भाजपा ने उन्नाव की पांच विधानसभा सीटों से पार्टी ने विधायकों को ही प्रत्याशी बनाया है। बांगमऊ से श्रीकांत कटियार, सफीपुर से बंबालाल दिवाकर, मोहान से बृजेश कुमार रावत, उन्नाव सदर से पंकज गुप्ता और पुरवा से अनिल सिंह का नाम शामिल हैं। पार्टी ने एक मात्र 166-भगवंत नगर सीट पर उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। यहां से अभी तक विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित विधायक हैं। सपा छोड़कर भाजपा में शामिल नितिन अग्रवाल को भी टिकट मिला है।

### प्रत्याशियों की लिस्ट

हाथरस (अजा) विधान सभा क्षेत्र से अंजुला माहोर, सादाबाद से रामवीर उपाध्याय, सिकंद्राराऊ से बीरेन्द्र सिंह राणा, टूंडला (अजा) से प्रेमपाल सिंह धनगर, जसराना से मानवेन्द्र सिंह लोधी, फिरोजाबाद से मनीष असीजा, शिकोहाबाद से ओमप्रकाश वर्मा, सिरसागंज से हरिओम यादव, कासगंज से देवेन्द्र सिंह लोधी, अलीगंज से सत्यपाल सिंह राठौर, एटा से विपिन वर्मा डेविड, मैनपुरी से जयवीर सिंह, भोगांव से रामनरेश अग्निहोत्री, पीलीभीत से संजय गंगवार, बरखेड़ा से स्वामी प्रवक्तानन्द, पूरनपुर (अजा) से बाबूराम पासवान, बीसलपुर से विवेक वर्मा, जलालाबाद से हरी प्रकाश वर्मा, लितहर से सलोना कुशवाह, ददरौल से मानवेन्द्र सिंह, पलिया से हरविंदर रोमी साहनी, निघासन से शशांक वर्मा, गोला गोकरननाथ से अरविंद गिरि, श्रीनगर (अजा) से मंजू त्यागी, धौरहरा से विनोद शंकर अवस्थी, लखीमपुर से योगेश वर्मा, कस्ता (अजा) से सौरभ सिंह सोनू, मोहम्मदी से लोकेन्द्र प्रताप सिंह, हरगांव (अजा) से सुरेश राही, लहरपुर से सुनील वर्मा, सेवता से ज्ञान तिवारी, महमूदाबाद से आशा मौर्य, मिश्रिख (अजा) से राम कृष्ण भार्गव, सवायजपुर से माधवेन्द्र प्रताप रानू, शाहाबाद से रजनी तिवारी, हरदोई से नितिन अग्रवाल, गोपामऊ (अजा) से श्याम प्रकाश, साण्डी (अजा) से प्रभाष वर्मा, बिलग्राम मल्लावां से आशीष सिंह आशु, बालामऊ (अजा) से रामपाल वर्मा, संडीला से अलका अर्कवंशी, बांगरमऊ से श्रीकांत कटियार, सफीपुर (अजा) से बम्बा लाल दिवाकर, मोहान (अजा) से बृजेश रावत, उन्नाव से पंकज गुप्ता, पुरवा से अनिल सिंह, हरचंदपुर से राकेश सिंह, रायबरेली सदर से अदिति सिंह, अमृतपुर से सुशील कुमार शाक्य, फर्रुखाबाद से मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, भोजपुर से नागेन्द्र सिंह राठौर, छिबरामऊ से अर्चना पांडेय, तिर्वा से कैलाश सिंह राजपूत, कन्नौज सदर (अजा) से असीम अरुण (आईपीएस), इटावा से सरिता भदौरिया, विधूना से रिया शाक्य, दिबियापुर से लखन सिंह शाक्य, अकबरपुर रनिया से प्रतिभा शुक्ला, सिकंदरा से अजीत पाल, बिल्हौर (अजा) से राहुल बच्चा सोनकर, बिठूर से अभिजीत सांगा, कल्याणपुर से नीलिमा कटियार, गोविंदनगर से सुरेन्द्र मैथानी, सीसामऊ से सलिल विश्नोई, आर्य नगर से सुरेश अवस्थी,किदवई नगर से महेश त्रिवेदी, कानपुर कैंट से रघुनंदन भदौरिया, महाराजपुर से सतीश महाना, माधोगढ़ से मूलचंद निरंजन, उरई (अजा) से गौरी शंकर वर्मा, बबीना से राजीव, झांसी नगर से रवि शर्मा, गरौठा से जवाहर राजपूत, ललितपुर से रामरतन कुशवाहा, महरौनी (अजा) से मनोहर लाल पन्त, राठ (अजा) से मनीषा अनुरागी, महोबा से राकेश गोस्वामी, चरखारी से बृजभूषण राजपूत, बबेरू से अजय पटेल, नरैनी (अजा) से ओममनी वर्मा, बांदा से प्रकाश द्विवेदी, फतेहपुर से विक्रम सिंह, अयाह शाह से विकाश गुप्ता, हुसैनगंज से रणवेन्द्र प्रताप सिंह और खागा (अजा) से कृष्णा पासवान को टिकट दिया

# हरक सिंह ने थामा कांग्रेस का हाथ, जश्न का माहौल

» हरीश रावत की मौजूदगी में ली पार्टी की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत अपनी बहू अनुकृति के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। शुक्रवार को उन्हें और अनुकृति को पार्टी में शामिल किया गया। इस दौरान पूर्व सीएम हरीश रावत मौजूद रहे। गौरतलब है कि हरक सिंह रावत पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगने के बाद विगत रविवार को भाजपा ने निष्कासित किया था। हरक के कांग्रेस में शामिल होते ही देहरादून स्थित कांग्रेस भवन में जश्न का माहौल रहा। खूब ढोल-नगाड़े बजे और मिठाइयां बंटी।

छह दिन के इंतजार के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. हरक सिंह रावत के कांग्रेस में शामिल होने के बाद कांग्रेस में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पार्टी ने अभी प्रदेश में प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है, जिससे यहां संभावितों की बेचैनी बढ़ गई है। साथ ही संगठन के कई पदाधिकारियों ने भी रोष जताया है। वर्ष 2012 में रुद्रप्रयाग विस से कांग्रेस के टिकट से विधान सभा पहुंचने वाले डा. हरक सिंह रावत की छह वर्ष बाद फिर से पार्टी में वापसी हुई है। भले ही पार्टी के कुछ नेता/कार्यकर्ता हरक सिंह की वापसी को कांग्रेस के लिए संजीवनी बता रहे हैं लेकिन कई नेताओं ने अपनी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि वे हाईकमान के निर्णय पर कुछ नहीं बोल रहे हैं लेकिन जो हुआ, वह सही नहीं है। दूसरी तरफ हरक सिंह रावत के कांग्रेस में शामिल होने पर भाजपाइयों ने राहत की सांस ली है क्योंकि बीते गुरुवार को पार्टी ने प्रदेश की 70 विस सीटों में से 59 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए थे लेकिन केदारनाथ विधान सभा सहित 11 सीटों को वेटिंग में रखा है।

# जेपी नड्डा ने दिया जीत का मंत्र बोले, बार- बार जाएं लोगों के पास

» आगरा में पदाधिकारियों संग किया मंथन, बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगरा, अलीगढ़ मंडल की 40 विधानसभा क्षेत्र से आए पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि चुनाव का रण आ चुका है, हमें विपक्ष की हर गतिविधि पर निगाह रखनी है और स्वयं को मजबूत बनाना है। प्रचार का नया माध्यम अपनाना है, तो घर-घर भी सीधे पहुंच बनानी है।

उन्होंने कहा कि पन्ना प्रमुख और बूथ अध्यक्ष की विशेष महत्ता होगी वे लोगों के पास बार-बार जाएं, जिससे लोग उनको वोटिंग वाले दिन तक भुला न पाएं। उस दिन भी उनको घरों से निकालना होगा, तभी राष्ट्रहित में मतदान फीसदी बढ़ेगा।

पदाधिकारियों से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूछा, यहां कोई ऐसा बैठा है जिसने टिकट मांगा हो। टिकट कटने पर कोई दुखी, मन खराब तो नहीं है। कुछ लोगों ने हां में उत्तर दिया। इस पर उन्होंने कहा कि सबको टिकट मांगने का अधिकार है, लेकिन एक को ही दिया जा सकता है। ये बड़ा मुश्किल निर्णय होता है इसलिए मन खराब नहीं करें और अपने कमल के लिए जुट जाएं।

# आप ने लगाया पढ़े-लिखे लोगों पर दांव

» 33 प्रत्याशियों समेत स्टार प्रचारकों की जारी की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को 33 प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी। इसमें प्रयागराज की बारा विधान सभा सीट से सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी कन्हैया लाल को टिकट दिया गया है। यह राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सचिव रह चुके हैं। इसके अलावा दो डाक्टर, नौ स्नातकोत्तर (पीजी) व 13 स्नातक (यूजी) पास लोगों को टिकट दिया गया है।

राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आप के यूपी प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने सूची जारी की। उन्होंने कहा कि हम पढ़े-लिखे सुयोग्य लोगों को टिकट देकर इस धारणा को तोड़ेंगे कि राजनीति सिर्फ धनबल व बाहुबल वाले ही कर सकते हैं। आप की इस तीसरी सूची के साथ अब तक कुल 203 प्रत्याशियों की घोषणा की जा चुकी है। बाकी 200 प्रत्याशियों की घोषणा भी जल्द की जाएगी। आप के यूपी प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए 15 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की। इसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री व पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व पंजाब में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान भी शामिल हैं।

संजय सिंह ने कहा इंडिया गेट पर वर्ष 1971 अमर जवान ज्योति जल रही थी। इसे नेशनल वार मेमोरियल की लौ में क्यों विलय किया जा रहा है अगर इसका खर्च पीएम नरेन्द्र मोदी न उठा पा रहे हों तो आप खर्च उठाने को तैयार है। केंद्रीय बजट में पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव को देखते हुए आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

# सज गया सपा का आभासी मंच, वर्चुअल जंग को तैयार रणनीतिकार

## हाईटेक वार रूम तैयार, पैना कर रहे मुद्दों की धार

» विपक्ष के हर वार का दिया जा रहा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग के प्रतिबंधों के कारण प्रदेश में विधान सभा पूरी खामोशी से लड़ा जा रहा है। रैलियों और रोड शो का शोर-शराबा कहीं नहीं दिख रहा है। वर्चुअल संवाद स्थापित करने के लिए हर दल अपनी तैयारी में जुटा है। इसी कड़ी में सपा ने भी अपना आभासी मंच सजा दिया है और इसके रणनीतिकारों ने कमान अपने हाथों में ले ली है। हाईटेक वार रूम के जरिए मुद्दों को धार दिया जा रहा है। वहीं विपक्ष के हर वार का करारा जवाब भी दिया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी ने त्रिस्तरीय वॉर रूम बनाया है। सबके काम बंटे हुए हैं। एक टीम अखबारों में सियासी समाचारों और बयानों को जुटाती है। विपक्षी नेता कौन सी चाल चल रहे हैं, यह टीम उसका पता लगाती है। पार्टी की रीति-नीति के हिसाब से यह टीम उसकी काट के लिए रणनीति भी तैयार करती है। वहीं, दूसरी ओर डिजिटल टीम है जिसकी कमान आशीष यादव संभाले हुए हैं। इसमें करीब 50 पेशेवर लोग शामिल हैं। ये लोग अलग-अलग पालियों में कार्य करते हैं। इनके साथ एक टीम चुनिंदा पांच लोगों की है। यह टीम सिर्फ और सिर्फ रणनीतियां बनाती है। खासकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर अपनी बात कैसे रखी जाए, इसकी रणनीति तैयार कर यह टीम दूसरी टीमों को निर्देश देती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्या ट्रेंड कर रहा है, उसको कैसे अपने पक्ष में इस्तेमाल किया जाए, कैसे विपक्षी हमले का जवाब देना है, यह सब इस टीम के योद्धा करते हैं। पांच लोगों की एक तीसरी टीम भी है, जो समाजवादी पार्टी की ओर से लॉन्च किए गए एप का संचालन करती है। इस एप के जरिए हर विधान सभा क्षेत्र के अलग-अलग ग्रुपों में जुड़ा जा सकता है। एप में जिला और विधान सभा का ऑप्शन है। उस ऑप्शन में जाने पर अपना मोबाइल नंबर देना होता है। नंबर देते ही संबंधित विधान सभा के ग्रुप में वह शख्स जुड़ जाता है। उस ग्रुप में सपा कार्यालय से भेजे जाने वाले संदेश पहुंचने लगते हैं। इसके अलावा भी अन्य रणनीतियां भी तय करने का काम वॉर रूम से हो रहा है।

### हो रही मॉनिटरिंग

**जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, वह पूरी हो रही हैं या नहीं, अभियान तय प्रक्रिया के हिसाब से चल रहे हैं कि नहीं, प्रत्याशी की सक्रियता कितनी है, इन सब पर मॉनिटरिंग टीम ही नजर रखती है।**

### ये हैं सियासी सिपहसालार

**राजेंद्र चौधरी:** गाजियाबाद निवासी एमएलसी राजेंद्र चौधरी पार्टी के पुराने सिपहसालार हैं। साये की तरह अखिलेश यादव के साथ रहते हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता हैं। पार्टी के नेताओं का संदेश सपा अध्यक्ष तक पहुंचाने से लेकर नीतिगत फैसलों में अहम भूमिका निभाते हैं।

**उदयवीर सिंह:** फिरोजाबाद निवासी उदयवीर एमएलसी हैं। जब अखिलेश यादव धौलपुर के मिलिट्री स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे तो उसी स्कूल में उदयवीर भी थे। जेएनयू से एमए, एमफिल करने के बाद राजनीति में उतरे। सियासी गणित बैठाने में माहिर हैं। विभिन्न दलों के नेताओं को सपा में शामिल कराने में इनकी अहम भूमिका रही।

**सुनील सिंह साजन:** उन्नाव निवासी एमएलसी सुनील सिंह यादव की पकड़ युवाओं पर मजबूत है। लखनऊ में केकेसी डिग्री कॉलेज के छात्र संघ से निकलने के बाद सपा छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। 2012 चुनाव के पहले चली रथयात्रा में अखिलेश यादव के साथ साये की तरह रहे। अब भी विभिन्न यात्राओं में पहले से संबंधित जिले में पहुंच कर रोडमैप से लेकर अन्य नीतिगत फैसले लेते हैं।

# मिशन यूपी: भाजपा ने बदली रणनीति लॉन्च किया नया चुनावी कैंपेन

» लॉन्चिंग सॉन्ग भी जारी डिजिटल कैंपेनिंग पर फोकस

» गानों के जरिए जन-जन तक संवाद पहुंचाने की हो रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। रणनीतिकारों और दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया गया है। बूथ स्तर तक संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। पन्ना प्रमुखों को भी सक्रिय कर दिया गया है। इसके बाद अब भाजपा ने प्रदेश के वोटरों को लुभाने के लिए चुनावी कैंपेन लॉन्च किया है। इसके तहत यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार का चुनावी गीत और स्लोगन लॉन्च किया है।

विधान सभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा हर संभव कोशिश करती दिखाई दे रही है। यूपी चुनाव से ठीक पहले वोटरों को लुभाने और अपना संदेश देने के लिए भाजपा ने अपना चुनावी कैंपेन लॉन्च किया। यूपी चुनाव के लिए 'यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार' का नारा दिया। अब तक के चुनावी कैंपेन में 'काम दमदार योगी सरकार' का नारा चल रहा था, मगर अब चुनाव को देखते हुए इसमें इस लाइन यानी 'यूपी फिर मांगे भाजपा सरकार' को भी जोड़ दिया है। बिना भेदभाव भर्ती रोजगार, निशुल्क राशन गरीब के द्वार, गरीब के पक्के मकान का सपना साकार, बहू-बेटी को सुरक्षा और अधिकार, सोच ईमानदार, काम दमदार जैसे स्लोगन लॉन्च किए। यही नहीं पार्टी के चुनावी गीत की एक फिल्म भी तैयार की गयी है। इसमें अयोध्या, काशी, मथुरा के साथ गांव के विकास और एक्सप्रेस-वे को भी शामिल किया गया है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने चुनावी रैलियों पर अभी प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे में भाजपा भी डिजिटल कैंपेनिंग पर ज्यादा फोकस कर रही है। वहीं भाजपा एक के बाद एक कई गाने जारी कर रही है और सोशल मीडिया के जरिए जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। लॉन्चिग के मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मौजूद रहे।

### यूपी चुनाव का शेड्यूल

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होना है। इसकी शुरुआत 10 फरवरी को राज्य के पश्चिमी हिस्से के 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान के साथ होगी। दूसरे चरण में 14 फरवरी को राज्य की 55 सीटों पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में तीसरे चरण में 59 सीटों पर, 23 फरवरी को चौथे चरण में 60 सीटों पर, 27 फरवरी को पांचवें चरण में 60 सीटों पर, तीन मार्च को छठे चरण में 57 सीटों पर और सात मार्च को सातवें चरण में 54 सीटों पर मतदान होगा। वहीं यूपी चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे।

### क्या थे पिछले चुनाव के नतीजे

2017 विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन यानी बीजेपी प्लस को कुल 325 सीटें मिली थीं। इनमें से अकेले 312 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी। वहीं बीजेपी गठबंधन की अन्य दो पार्टियों में अपना दल (एस) ने 11 सीटों में नौ सीटें और ओपी राजभर की भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी ने आठ में से चार सीटें जीती थीं। वहीं सपा और कांग्रेस गठबंधन को मात्र 54 सीटों के साथ संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस महज सात सीट जीतने में सफल हो पाई थी। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी को केवल 47 सीटों पर जीत मिली। वहीं बसपा ने 19 सीटों पर जीत हासिल की थी। रालोद को एक सीट और अन्य के खाते में 4 सीटें गई थीं।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# महामारी और सर्दी की दोहरी मार

**देश में कोरोना और शीतलहर पूरी रफ्तार पर हैं। कोरोना की तीसरी लहर ने कहर बरपा दिया है। आलम यह है कि पिछले दो दिनों से रोजाना तीन लाख नए केस सामने आ रहे हैं। मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। वहीं यूपी समेत उत्तर भारत के तमाम राज्य शीतलहर की चपेट में हैं। महामारी और शीतलहर की सबसे अधिक मार गरीबों पर पड़ रही है। वे संक्रमण और शीतलहर दोनों से बचने के लिए जूझ रहे हैं।**

*देश में कोरोना और शीतलहर पूरी रफ्तार पर है। कोरोना की तीसरी लहर ने कहर बरपा दिया है। आलम यह है कि पिछले दो दिनों से रोजाना तीन लाख नए केस सामने आ रहे हैं। मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। वहीं यूपी समेत उत्तर भारत के तमाम राज्य शीतलहर की चपेट में हैं। महामारी और शीतलहर की सबसे अधिक मार गरीबों पर पड़ रही है। वे संक्रमण और शीतलहर दोनों से बचने के लिए जूझ रहे हैं। चुनावी राज्यों में हालात और भी खराब हैं। यहां बेघरों के रहने और खाने का इंतजाम तक नहीं हो पा रहा है। सवाल यह है कि महामारी और शीतलहर से बचाव को लेकर राज्य सरकारें गंभीर क्यों नहीं दिख रही हैं? संक्रमण तेजी से क्यों बढ़ रहा है? बेघरों के रहने और खाने का प्रबंध क्यों नहीं किया जा रहा है? रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? क्या अपने नागरिकों के जीवन की रक्षा करना सरकार का दायित्व नहीं है?*

*पिछले दो साल से कोरोना ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले रखा है। लंबे लॉकडाउन और प्रतिबंधों के कारण लाखों लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। हालात यह है कि महामारी के कारण मध्यम वर्ग के लाखों लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। गरीबों की हालात और भी खराब हो चुकी है। उनके सामने रोजी-रोटी के लाले पड़ चुके हैं। रोजगार के साधन सीमित होने के कारण लोग परेशान हैं। हालांकि सरकार की ओर से राशन वितरण किया जा रहा है। बावजूद यह पर्याप्त नहीं है। तमाम राज्यों में राशन समय से उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसके कारण उनकी परेशानी बढ़ गयी है। वहीं कोरोना प्रोटोकाल का पालन नहीं होने के कारण संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसके चलते राज्यों में कई तरह की पाबंदियां लगायी जा रही हैं। इसका सीधा असर रोज कमाने और खाने वालों पर पड़ रहा है। दूसरी ओर शीतलहर के चलते बेघरों की हालत खराब होती जा रही है। रैन बसेरों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण वे सड़कों और फुटपाथों पर सोने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इसके कारण संक्रमण का खतरा और भी बढ़ता जा रहा है। यह स्थिति तब है जब सरकार ने बेघरों के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था करने के निर्देश दे रखे हैं। चुनावी राज्यों में पुलिस प्रशासन का पूरा फोकस चुनाव पर आ गया है इसके कारण भी गरीबों को कोई राहत नहीं मिल पा रही है। जाहिर है संक्रमण के कारण उपजी स्थितियों से निपटने के लिए सरकार को ठोस उपाय करने चाहिए ताकि गरीबों तक आसानी से मदद पहुंचायी जा सके। साथ ही संक्रमण को रोकने के लिए टीकाकरण को तेज किया जाए ताकि लोगों को कोरोना से सुरक्षा कवच प्रदान किया जा सके।*

**(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)**

# नए बजट में आर्थिक परिदृश्य की चुनौतियां

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों एक फरवरी, 2022 को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले 2022-23 के बजट की ओर सभी की निगाहें हैं। उम्मीद की जा रही है कि नए बजट के माध्यम से वित्तमंत्री कोरोना और ओमीक्रॉन की चुनौतियों के बीच आम आदमी और विभिन्न वर्गों को राहत देने के साथ-साथ ऐसा रणनीतिक बजट पेश करेंगी, जिससे विकास दर भी बेहतर होगी। आगामी वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट के माध्यम से वर्ष 2022 में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को गतिशील किए जाने के ऐसे प्रयासों की संभावनाएं हैं, जिनसे निर्यात और विदेशी निवेश में वृद्धि, बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, विनिर्माण और सर्विस क्षेत्र में बड़ा सुधार, कारोबार गतिविधियों में बेहतरी, बेहतर राजकोषीय नतीजे, जीएसटी संग्रह, बिजली खपत एवं माल ढुलाई में उछाल का परिदृश्य दिखाई दे सकेगा। आर्थिक विशेषज्ञों का मत है कि वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवाकर का प्रति माह औसत कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ से अधिक का रहने की संभावना होगी। देश का विदेश व्यापार बढ़ने की नई संभावनाएं होंगी।

2022 में भारत से किए जाने वाले निर्यात में तेजी का दौर होगा और वर्ष 2022 में 450 अरब डॉलर मूल्य का रिकॉर्ड निर्यात संभावित होगा। कोरोना काल में जिन 150 से अधिक देशों को भारत से कोरोना की दवाई, कोरोना वैक्सीन और खाद्य आपूर्ति की गई है उनमें से अधिकांश देशों के साथ वर्ष 2022 में भारत का विदेश व्यापार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। नए बजट से विदेशी निवेश को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच जाए। पूरी दुनिया में भारत को निवेश अनुकूल देश के रूप में चिन्हित किया जा रहा है, ऐसे में नए बजट के बाद वर्ष 2022 में देश में एफडीआई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए इक्विटी, पुनर्निवेश आय और पूंजी सहित कुल एफडीआई बढ़कर 100 अरब डॉलर से अधिक के स्तर पर पहुंचने की संभावना होगी।

2022 में घरेलू निवेशकों के दम पर भारत का शेयर बाजार तेजी से नई उड़ान भरेगा और दिसंबर 2022 तक सेंसेक्स 70 हजार की ऊंचाई छूते हुए दिखाई दे सकता है। उम्मीद है कि वर्ष 2022-23 के बजट से कृषि एवं ग्रामीण विकास का नया अध्याय दिखाई दे सकेगा। वर्ष 2022 में कोरोना और ओमीक्रॉन की चुनौतियों के बीच भी देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का वैसा

ही मजबूत आधार बना रहेगा, जिस तरह वह कोरोना के घातक संक्रमण के बीच वर्ष 2020 और 2021 में दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र के लिए दिए गए भारी प्रोत्साहनों के कारण वर्ष 2022 में ग्रामीण मांग को बढ़ावा मिलेगा और विनिर्माण में सुधार होगा। वर्ष 2022 के दौरान देश से करीब 50 अरब डॉलर मूल्य के कृषि एवं संबद्ध उत्पादों का रिकॉर्ड निर्यात होते हुए दिखाई दे सकता है। इन विभिन्न आर्थिक संभावनाओं को साकार करने के लिए वर्ष 2022 में कई आर्थिक चुनौतियों का भी सतर्कता के साथ मुकाबला करना होगा। बजट के जरिये कोरोना और ओमीक्रॉन से बचाव के लिए टीकाकरण और कोविड टीके के बूस्टर डोज अभियान को तेजी व सुनियोजित रूप से संचालित किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। सरकार और जनता दोनों को प्रयास करना होगा कि 2022 में किसी भी प्रकार के लॉकडाउन की स्थिति निर्मित नहीं हो। श्रम, भूमि, कारोबार, विदेशी निवेश, कौशल, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों में घोषित किए गए सुधारों के लिए कार्यान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को पटरी पर लाकर रोजगार बढ़ाने के अधिकतम प्रयास किए जाने होंगे। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की मुश्किलों का समाधान किया जाना होगा। नए बजट के माध्यम से जहां पूंजी बाजार को प्रोत्साहन दिए जाने होंगे, वहीं छोटे करदाताओं की बचत व क्रयशक्ति को बढ़ाना होगा। नए बजट के माध्यम से डिजिटलीकरण के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जाना होगा। इससे डिजिटल अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

देश में नया सहकारिता मंत्रालय बनाए जाने के बाद अब सहकारिता क्षेत्र के भाग्य खोलने के लिए राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा निर्धारित 35,000 से अधिक प्राथमिक सहकारी समितियों को तेजी से 'वन स्टॉप शॉप' के रूप में विकसित किया जाना होगा। खाद्य तेलों के मूल्यों को नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। 11,000 करोड़ रुपए निवेश वाले राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन पाम ऑयल (एनएमईओ-ओपी) अभियान को पाम ऑयल के साथ खाद्य तेल के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने और आयात को कम करने के उद्देश्य से तेजी से क्रियान्वित किया जाना होगा।

# कजाकिस्तान की अशांति और रूस

प्रो सतीश कुमार

कजाकिस्तान मध्य एशिया का सबसे बड़ा देश है। क्षेत्रफल की दृष्टि से दुनिया का नौवां सबसे बड़ा देश। ब्रिटेन से पांच गुना बड़ा। हालांकि,आबादी एक चौथाई ही है। इसकी भू-राजनीतिक स्थिति इस देश को अहम बनाती है। इसके उत्तर में रूस है, जिसके साथ इसकी करीब 7600 किलोमीटर की लंबी सीमा है। पूर्व में चीन की सीमा मिलती है। 1990 तक मध्य एशिया सोवियत रूस के अंतर्गत था। उस समय सैनिक दृष्टि से कजाकिस्तान रूस के लिए सबसे अहम प्रदेश था। आण्विक परीक्षण स्थल से लेकर स्पेस शटल का केंद्र भी यही होता था। आज भी कई मसलों पर रूस कजाकिस्तान पर निर्भर है। 2015 में यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के निर्माण में भी कजाखस्तान और बेलारूस ही मुख्य प्रेरक तत्व थे।

रूस की बात इसलिए भी जरूरी है कि जो कुछ भी वहां घटित हुआ, उसमें उसकी भूमिका अहम थी। कजाकिस्तान की 1.9 करोड़ की आबादी में आज भी 40 लाख रूसी मूल के लोग हैं। नौकरी और रोजगार की खोज में कजाक रूस की दौड़ लगाते हैं। स्कूली और बुद्धिजीवी लोगों की भाषा आज भी रसियन है। सत्ता के गलियारों में उनकी पकड़ है। दूसरी महत्वपूर्ण भूमिका सुरक्षा साझेदारी की है जिसे सीएसटीओ कहा जाता है, जिसके अंतर्गत रूस के साथ पांच और देश शामिल हैं, लेकिन हुकुम रूस का चलता है। इस बार भी जब अल्माती में उपद्रव जोड़ पकड़ने लगा और वहां की सेना नाकाम हुई, तो रूस ने पीस कीपिंग फोर्स भेज दिया और लोगों पर गोलियां दागी गयीं, जिसमें सैकड़ों लोग हताहत हुए, हजारों जख्मी हुए, लाखों जेल में ठूस दिये गये। रूस का मानना था कि उपद्रवी भीतर के नहीं बल्कि बाहरी शक्तियां थीं यानि वे आतंकी थे लेकिन लोगों का क्रोध अभी भी धधक रहा है।

क्या यह हिंसक विरोध महज बाहरी शक्तियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से चलाया गया था या यह अंदर की चिंगारी थी जो वर्षों से सुलग रही थी। दरअसल, कहानी नये वर्ष के साथ ही शुरू होती है। यहां एलपीजी यातायात का मुख्य ईंधन है, जिसका बहुत बड़ा स्रोत कजाकिस्तान के पश्चिमी शहर में है, वहीं विद्रोह की चिंगारी फूटी। सरकार ने एलपीजी सब्सिडी खत्म कर दी और निजी कंपनियों के हाथों में ईंधन की बागडोर सौंप दी, रातों-रात ईंधन की कीमतें दोगुनी हो गयीं। जब लोग घूमने निकले तो उनके होश उड़ गये। विद्रोह के कारण का यह एक छोटा हिस्सा है। सबसे बड़ा कारण अधिनायकवादी राजनीतिक व्यवस्था है, जो 1991 से निरंतर अभी तक चलती आ रही है। सत्ता के केंद्र में कजाकिस्तान के प्रथम राष्ट्रपति नजरबायेव की भूमिका है। वर्ष 1991 से लेकर 2019 तक वे सत्ता की बागडोर सीधे अपने हाथों में लिये हुए थे। उनके कार्यकाल में दर्जनों बार राजनीतिक विद्रोह की तेज लपटें उठीं लेकिन रूस की मदद से हर बार दबा दी गयीं।

साल 2015 में कजाक करेंसी की साख गिरने पर विद्रोह पनपा, 2017 में एलीट लोगों के ऑटो एक्सपो के विरोध में जनता सड़कों पर उतरी थी और 2016 में मनमानी तौर पर जनता की जमीन को चीन के हाथों सौंप दिया गया था, इन सबके विरोध में विद्रोह की चिंगारी तेज हुई थी। 2019 में नजरबायेव द्वारा सत्ता हस्तांतरण के बाद टोकायेव राष्ट्रपति बने, लेकिन नजरबायेव खुद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् के निदेशक के रूप में परदे के पीछे काम करते रहे। जनता का विरोध का सबसे अहम कारण था नजरबायेव की शासन प्रणाली। दूसरा कारण था वहां की गरीबी और बेरोजगारी। कजाकिस्तान की आबादी की औसत आयु 30 वर्ष है और वहां बेरोजगारी की गंभीर स्थिति है। कोरोना महामारी में हालात और भी गंभीर हुए हैं। तीसरा कारण भ्रष्टाचार और परिवारवाद है। भौगोलिक बंदरबांट की जिरह में बाहरी शक्तियों का हस्तक्षेप भी कजाकिस्तान में अर्से से चला आ रहा है। 1991 के बाद से ही अमेरिका की निगाह कजाकिस्तान पर थी। 1996 में नाभिकीय समझौते को अमेरिका ने कजाकिस्तान के साथ आगे बढ़ाया, जो 2000 के बाद भी चलता रहा। वहां की अर्थव्यवस्था में अमेरिकी लागत भी बढ़ती गयी और 2000 के बाद चीन की शिरकत हुई। सबसे मजबूत बाहरी शक्ति के रूप में रूस आज भी मध्य एशिया के बीचों-बीच है।

सुरक्षा ढांचा रूस द्वारा निर्धारित किया जाता है। इस बार भी वैसा ही हुआ। कजाकिस्तान के लोगों में यह डर है कि कहीं रूस देश के उत्तरी हिस्से को अपने क्षेत्र में मिलाने की व्यूह रचना तो नहीं बना रहा है। वर्ष 2019 में रूस की संसद ने यह चेतावनी भी दी थी। भारत के लिए मध्य एशिया एक वृहत्तर पड़ोसी देश है। इसके बीच में अफगानिस्तान की समस्या भी है। मध्य एशिया के देशों के साथ भारत का सांस्कृतिक संबंध रूस के अधिपत्य के पहले से बना हुआ है इसलिए भारत की प्राथमिकता सबसे पहले शांति स्थापित करने की होगी। पाकिस्तान की वजह से मध्य एशिया पूरी तरह से भारत से दूर खिसक गया है। हालांकि, जरूरत है कि संपर्क और साझेदारी बढ़ायी जाये। प्रधानमंत्री मोदी इस बात की गंभीरता से भली-भांति परिचित हैं. पिछले दिनों कजाकिस्तान में हुए सामूहिक दंगों की कजाक कानून प्रवर्तन जांच करेगा और इसकी रिपोर्ट पेश करेगा. कजाक सरकार इस घटना को तख्तापलट की साजिश मान रही है जबकि यह सच नहीं है, यह एक क्रांति का आगाज है।

**बढ़ाती है पाचन शक्ति**

काली मिर्च स्वाद की कलिका को उत्तेजित करके पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्राव को बढ़ाता है। इसके परिणामस्वरूप हमें बेहतर और स्वस्थ पाचन मिलता है। पाचन में सुधार करके काली मिर्च उदर-संबंधी सूजन, अपच, पेट फूलना, पेट में गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से मुक्ति दिलाता है।

**वजन कम करने के लिए**

काली मिर्च भूख को उत्तेजित करने के साथ ही आपको वजन कम करने में मदद कर सकती है। दरअसल, इसकी बाहरी परत में वसा कोशिकाओं के भंजन को प्रोत्साहित करने वाले फैटोनुट्रिएंट्स होते हैं। इसके अलावा, काली मिर्च आपके चयापचय में सुधार करके कैलोरीज के कम कर सकती है।

## स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को लाभ पहुंचाती है

# काली मिर्च

हमारे यहाँ प्रयुक्त किए जाने वाले मसालों में काली मिर्च का प्रमुख स्थान है। ये व्यंजन को तीखा बनाने के साथ उसके स्वाद में भी वृद्धि करती है। गर्म मसाले की कल्पना बिना काली मिर्च के नहीं की जा सकती है। स्वाद में तीखा लगने वाला काली मिर्च, हरे मिर्च से अलग आकार में यानी गोलाकार में होता है। इसका रंग एकदम काला होता है। रोजमर्रा के भोजन में इसका नियमित इस्तेमाल करने पर इससे कई तरह के स्वास्थ्य लाभ अर्जित किए जा सकते हैं। यदि उचित मात्रा में इसका इस्तेमाल किया जाए तो इसके कोई नुकसान भी नहीं हैं। आइए काली मिर्च के फायदों पर प्रकाश डालते हैं।

## तनाव दूर करने में

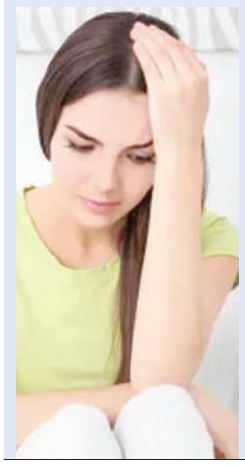

तनाव दूर करने के लिए आप काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। काली मिर्च, पिपेरीन सेरोटोनिन के उत्पादन में वृद्धि करके एक तनाव दूर करने वाले औषधि के रूप में कार्य करता है। सेरोटोनिन, मूड ठीक करने के लिए एक महत्वपूर्ण न्यूरोट्रांसमीटर है वहीं सेरोटोनिन का निम्न स्तर तनाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। पिपेरीन, मस्तिष्क में बीटा एंडोर्फिन को बढ़ाकर मानसिक स्पष्टता को प्रोतसाहित करता है। एंडोर्फिन प्राकृतिक दर्द निवारक और मूड लिफ्टर के रूप में काम करता है। वे तनाव को कम करते हैं।

## गैस की समस्या का समाधान

एक कार्मिनेटिव के रूप में काली मिर्च गैस के गठन को रोकने में भी मदद करता है। इसके लिए आप अपने भोजन में मिर्च के बदले काली मिर्च का इस्तेमाल शुरू कर दें। इसके अलावा अपच और पेट में भारीपन दूर करने के लिए, काली मिर्च और जीरा पाउडर का एक तिहाई चम्मच एक गिलास छाछ में मिलाकर पियें।

**दांत की समस्या से दे राहत**

काली मिर्च दर्द और सूजन को कम करने में सहायक है, आप काली मिर्च का उपयोग उसके साथी-नमक के साथ मसूड़ों में जलन व सूजन को ठीक करने में कर सकते हैं। यह खराब सांस और मसूड़ों से रक्तस्राव जैसी मौखिक परेशानियों का समाधान करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दांत और मसूड़ों से संबन्धित समस्याओं को अलविदा कहने के लिए पानी की कुछ बूंदों में नमक और काली मिर्च दोनों को बराबर मात्रा में मिलाएं और इससे अपने मसूढ़ों की मालिश करें। दांत दर्द को कम करने के लिए, लौंग के तेल में काली मिर्च पाउडर की एक चुटकी मिलाकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।

## पोषण को देता है बढ़ावा

इसमें मौजूद पिपेरीने नामक यौगिक विटामिन ए, विटामिन सी, सेलेनियम, बीटा कैरोटीन जैसे अन्य पोषक तत्वों की जैव-उपलब्धता को बढ़ाकर आपके समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाता है। पिपेरीने यौगिक कुकुर्मिन की जैव-उपलब्धता को भी बीस गुना तक बढ़ा सकती है। इसके अलावा, पिपेरीने आंत्र में अमीनो एसिड ट्रांसपोर्टर को उत्तेजित करके कोशिकाओं से पदार्थों को हटाने से रोकता है और आंत्र गतिविधि को कम करता है। इससे अधिक पदार्थ सक्रिय रूप में शरीर में उपयोग के लिए उपलब्ध रहते हैं।

## सर्दी से राहत दिलाये

काली मिर्च एक उच्चतम रोगाणुरोधी के रूप में कार्य करते हुए विभिन्न खांसी और सर्दी के उपचारों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए प्रतिदिन दो या तीन बार एक गिलास गुनगुने पानी में काली मिर्च पाउडर का आधा चम्मच मिलाकर पियें। इसके अलावा कुछ काली मिर्च और युकलिप्टुस तेल के साथ मिश्रित गर्म पानी का भाप लेने का प्रयास कर सकते हैं। आप चाहें तो काली मिर्च का मिश्रण और तिल के तेल के कुछ बूंदों को सूंघ भी सकते हैं।

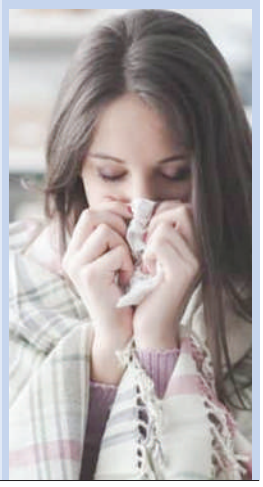

**भूख बढ़ाने में करे सहायता**

काली मिर्च, एक भूख उत्तेजक के रूप में काम करती है। कम भूख लगने वाले लोगों के लिए काली मिर्च एक बहुत ही उत्कृष्ट और सरल उपाय है। इसके लिए आधा चम्मच काली मिर्च और गुड़ पाउडर के एक चम्मच की मदद से एक मिश्रण तैयार करके जब तक आपको अपने में सुधार न दिखे तब तक इस मिश्रण का सेवन नियमित आधार पर लगातार करते रहें।

## हंसना मना है

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए-एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए। बेटा: पापा चलो साथ ही चलते है। पिता: क्यों? बेटा: मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

गप्पू अपने ससुराल में गुरुजी का प्रवचन सुनने गया। गुरुजी बोले, जो-जो स्वर्ग जाना चाहता है, वह अपना हाथ ऊपर करें। गप्पू की बीवी और सास ने हाथ ऊपर उठाया । गुरुजी ने गप्पू जी से पूछा, 'क्या तुम स्वर्ग नहीं जाना चाहते? गप्पू: गुरुजी, यह दोनों चली जायेंगी तो यहीं पर स्वर्ग हो जायेगा। गुरुजी अपने चेलों से बोले- इस ज्ञानी पुरुष को अपनी टीम में शामिल करो।

भगवान: मांगो वत्स क्या चाहिए? भक्त मुझे पत्नी के साथ लड़ने की शक्ति दो। हिम्मत दो। भगवान: इसको एक तरफ बैठाओ शायद भांग ज्यादा पी गया है।

डॉक्टर: मैंने तुम्हें बिल्कुल ठीक कर दिया आदमी: हां आपकी दवा ने कमाल कर दिया। डॉक्टर: मुझे कुछ तो इनाम दो आदमी: बाबू जी मैं तो गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं कहिये तो आपकी फ्री में खोद दूंगा।

## कहानी — तितली का संघर्ष

एक बार एक आदमी को अपने garden में टहलते हुए किसी टहनी से लटकता हुआ एक तितली का कोकून दिखाई पड़ा। अब हर रोज़ वो आदमी उसे देखने लगा और एक दिन उसने notice किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन गया है। उस दिन वो वहीं बैठ गया और घंटो उसे देखता रहा। उसने देखा की तितली उस खोल से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही है , पर बहुत देर तक प्रयास करने के बाद भी वो उस छेद से नहीं निकल पायी , और फिर वो बिलकुल शांत हो गयी मानो उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने निश्चय किया कि वो उस तितली की मदद करेगा। उसने एक कैंची उठायी और कोकून को इतना बड़ा कर दिया की वो तितली आसानी से बाहर निकल सके। और यही हुआ, तितली बिना किसी और संघर्ष के आसानी से बाहर निकल आई, पर उसका शरीर सूजा हुआ था और पंख सूखे हुए थे। वो आदमी तितली को ये सोच कर देखता रहा कि वो किसी भी वक्तत अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसके उलट बेचारी तितली कभी उड़ ही नहीं पाई और उसे अपनी बाकी की ज़िन्दगी इधर-उधर घिसटते हुए बीतानी पड़ी। वो आदमी अपनी दया और जल्दबाजी में ये नहीं समझ पाया की दरअसल कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है ताकि ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल उसके पंखों में पहुंच सके और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ सके।

**सीख:** वास्तव में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही वो चीज होती जिसकी हमें सचमुच आवश्यकता होती है। यदि हम बिना किसी संघर्ष के सब कुछ पाने लगे तो हम भी एक अपंग के सामान हो जायेंगे। बिना परिश्रम और संघर्ष के हम कभी उतने मजबूत नहीं बन सकते जितना हमारी क्षमता है इसलिए जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखिये वह आपको कुछ ऐसा सीखा जायंगे जो आपकी जिन्दगी की उड़ान को संभव बना पायेंगे।

## 10 अंतर खोजें

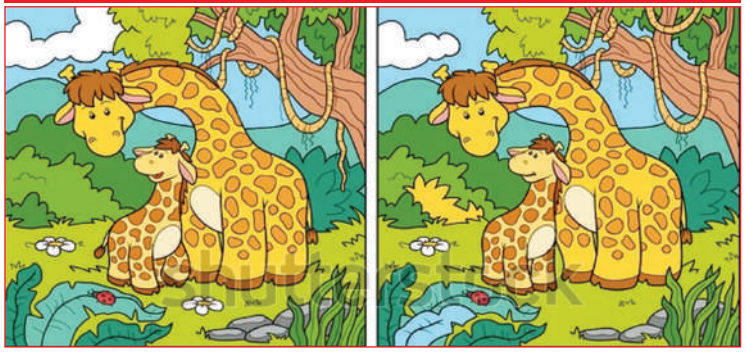

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज पार्टनर से मिलने के लिए उत्सुक रहेंगे। आज का दिन रोमांस में गुजरेगा। इस राशि के लोगों का मन उत्साहित रहेगा। पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा. अविवाहित लोग प्रेमी को समय देंगे।

**वृषभ**

प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जाने का प्लान बन सकता है। पार्टनर के साथ मन मुटाव होने की संभावना है। अपनी भावनाएं किसी पर नहीं थोपें। वाणी पर संयम रखें।

**मिथुन**

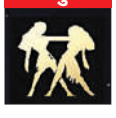

प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेंगी। आज पार्टनर से बहस करने से बचें। कई छोटे मुद्दे बढ़ सकते हैं। नई रिलेशनशिप शुरू करने के लिए समय अनुकूल है।

**कर्क**

शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। सूर्यदेव को जल अर्पित करें।

**सिंह**

आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल हो सकती है। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है। आज नए रिश्ते में व्यस्त रहेंगे। पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है।

**कन्या**

किसी बात को लेकर पार्टनर से झगड़ा हो सकता है लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा. पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। प्रेमी की सेहत का ख्याल रखें।

**तुला**

अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। कुछ लोगों के विवाह के योग हैं। आज का दिन पति-पत्नी के लिए अच्छा रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है।

**वृश्चिक**

आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। आप किसी की ओर आकर्षित हो सकते हैं। अपनी भावनाएं ना थोपें। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे।

**धनु**

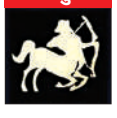

पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। आज के दिन आप खुश रहेंगे। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं। उन्नति के कार्यों में बाधा आ रही है।

**मकर**

आप जितना सहज और सच्चे रहेंगे उतना ही लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। प्रेमी की आज कोई बात परेशान कर सकती है, जिससे आप निराश रहेंगे। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

**कुम्भ**

कुंभ राशि के जातक किसी दोस्त की ओर आकर्षित होंगे। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें सफलता मिलेगी। आप इस समय जमीन खरीद सकते हैं।

**मीन**

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता करेंगे। नई संभावना पर गंभीरता से विचार करें। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

# मोहित रैना ने शादी को लेकर कही बड़ी बात

मोहित रैना इन दिनों एमएक्स प्लेयर पर रिलीज वेब सीरीज 'भौकाल 2' में पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आ रहे हैं। साल के पहले दिन ही शादी की खबर सुनाकर आपने सबको चौंका दिया इस सवाल के जवाब में रैना ने कहा कि कभी-कभी जीवन में कुछ चीजें प्लान करके नहीं होती हैं। जो होना लिखा होता है वो हो जाता है। परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि शादी हो गई। मैं हमेशा से ऐसा रहा हूं। मुझे काम करना पसंद है, काम के जरिए जो अटेंशन मिलता है, मुझे वह संभालना नहीं आता है। मैं इसे अपनी कमी मानता हूं, जिसे सुधारना चाहूंगा। मेरी कोशिश हमेशा से निजी जिंदगी को काम से अलग रखने की रही है। उनसे मेरी पहली मुलाकात दोस्तों के साथ हुई। वह हमारे फ्रेंड सर्कल का हिस्सा थीं। दो लोगों के बीच किसी भी तरह के रिश्ते के लिए दोस्ती सबसे बड़ा आधार होती है। हमारी दोस्ती हमने पहले दिन से बरकरार रखी है। इंसान के आगे बढ़ने की एक नियमित प्रक्रिया होती है। शादी के बाद जिम्मेदारियों का बढ़ना इसी का हिस्सा है। ये पूरा शो आईपीएस नवनीत सिकेरा के जीवन से प्रेरित है कि कैसे उन्होंने पिछली सदी के नौवें दशक में माफिया राज का सफाया किया था। पहले सीजन को हमने मुजफ्फरनगर पर फोकस किया था, जहां उन्हें शौकीन (माफिया) का सामना करना पड़ा था। दूसरे सीजन की शुरुआत शौकीन का काम आगे बढ़ा रहे डेरा भाइयों की कहानी के साथ आगे बढ़ती है। दूसरे सीजन में और भी ज्यादा एक्शन, रोमांस, ड्रामा और मनोरंजन है। इस शो से पहले मैं इस शब्द से बिल्कुल परिचित नहीं था। इस शो का हिस्सा बनने और लेखकों से बात करने के बाद मैंने उत्तर प्रदेश की भाषा शैली अपनाने की कोशिश की है। निजी जिंदगी में उतना भौकाल नहीं दिखा पाता हूं। मेरी जिंदगी में इतना रंग नहीं है कि भौकाल दिखा सकूं, ऐसे में स्क्रीन पर ही भौकाल दिखाने में मजा आता है।

# अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म तड़प ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने 2021 में तड़प के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया। कोरोना की अनिश्चितताओं के बीच अहान की पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। फिल्म के लिए अहान को काफी तारीफें मिली थीं और उन्हें फ्यूचर स्टार बताया गया। जो दर्शक अहान की डेब्यू फिल्म सिनेमाघरों में देखने से वंचित रह गये, अब उनके लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म देखने का मौका है। तड़प ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 28 जनवरी यानी अगले शुक्रवार को स्ट्रीम की जा रही है। इसकी जानकारी फिल्म के निर्देशक मिन लूथरिया ने सोशल मीडिया के जरिए दी। मिन ने बताया कि 28 जनवरी को उनका जन्मदिन होता है और इस साल तड़प प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। तड़प एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें तारा सुतारिया ने फीमेल लीड रोल निभाया। फिल्म में अहान और तारा की कैमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

तड़प पिछले साल 3 दिसम्बर को 1600 स्क्रींस पर रिलीज हुई थी। स्क्रींस की संख्या के लिहाज से देखें तो यह मध्यम आकार की रिलीज है। फिल्म ने 4.05 करोड़ का नेट कलेक्शन पहले दिन किया था, जबकि ओपनिंग वीकेंड का कलेक्शन 13.52 करोड़ रहा था। पिछले दो सालों में यह बेस्ट स्टार किड डेब्यू रहा। फिल्म ने लगभग 25 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। दिसम्बर की शुरुआत में महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सिनेमाघर 50 फीसदी क्षमता के साथ ही चल रहे थे। कोरोना वायरस पैनडेमिक के बाद बॉलीवुड फिल्मों को टेलीविजन से पहले ओटीटी

बॉलीवुड | मसाला

पर उतारने का चलन बढ़ गया है। आम तौर पर थिएट्रिकल रिलीज के बाद फिल्मों की स्ट्रीमिंग के लिए 4 वीक और 8 वीक की विंडो का पालन किया जा रहा है। तड़प, जहां 8 हफ्तों के बाद ओटीटी पर आ रही है, वहीं कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो 4 हफ्तों या इससे भी कम समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी गयीं। तड़प के बाद रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की पुष्पा- द राइज हिंदी समेत दूसरी भाषाओं में ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है।

# हिमांशी खुराना को फिर मिला प्यार में धोखा!

विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 13 से चर्चा में आए असीम रियाज और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर सिंगर-अभिनेत्री हिमांशी खुराना इस शो के बाद से ही सुर्खियों में बने हुए हैं। अक्सर इन दोनों को साथ वक्त बिताते हुए देखा जाता है, ऐसे में फैंस इनकी शादी की डेट का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले कुछ वक्त से दोनों के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच अब असीम ने एक ऐसी तस्वीर शेयर कर दी है, जिसे देखने के बाद सभी लोग हैरान रह गए हैं। कहा जा रहा है कि असीम और हिमांशी ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। इस फोटो में वे अभिनेत्री हिमांशी नहीं किसी और हसीना के साथ नजर आ रहे हैं। अगर आपके दिमाग में भी कुछ इसी तरह की बातें चल रही हैं, तो हम आपको बता दें कि ये पोस्ट असीम के अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। अब वह बिग बॉस ओटीटी की विनर दिव्या अग्रवाल के साथ नए म्यूजिक वीडियो में रोमांस करते नजर आएंगे। असीम ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह दिव्या के साथ नजर आ रहे हैं। हालांकि इस पोस्ट में दोनों में किसी का चेहरा भी साफ नजर नहीं आ रहा है। सामने आई तस्वीर में देखा जा सकता है कि असीम, दिव्या के साथ रोमांटिक मूड में नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक्ट्रेस का हाथ अपने हाथों में थाम रखा है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है.... इस तस्वीर पर दिव्या अग्रवाल ने कमेंट किया है, अब और इंतजार नहीं कर सकती हूं। अब ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फैंस दोनों को एक साथ देखने के लिए बेताब हैं।

अजब-गजब | स्टील और मेंगलॉय के मिश्रण का कमाल

# ट्रेन की पटरियों पर क्यों नहीं लगती है जंग

अक्सर आपने देखा होगा कि घर में मौजूद लोहे के सामानों में जंग लग जाती है। रेलवे ट्रैक भी लोहे के बने होते हैं और ये ट्रैक भारी वजन के साथ-साथ बारिश, धूप और कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते हैं, लेकिन क्या कभी आपके दिमाग ये सवाल आया है कि इतनी हवा, धूप और पानी लगने के बाद भी इनमें जंग क्यों नहीं लगती है। तो चलिए आज जानते हैं आखिर क्यों रेल की पटरी में जंग नहीं लगती है।

रेल की पटरियों पर जंग क्यों नहीं लगती, ये जानने के लिए सबस पहले ये जानना जरूरी है कि लोहे पर जंग क्यों और कैसे लगती है। लोहा एक मजबूत धातु होता है, लेकिन जब उस पर जंग लगती है तो वह किसी काम का नहीं होता। लोहा या लोहे से बना सामान ऑक्सीजन और नमी के संपर्क में आता है तो इनके साथ क्रिया करके कुछ अनचाहा कम्पाउंड बना लेता है और धीरे-धीरे खराब होने लगता है। साथ ही इसका रंग भी बदल जाता है। इसे लोहे पर जंग लगना कहते हैं।

अब सवाल ये है कि रेल की पटरियों पर जंग क्यों नहीं लगती? बहुत से लोग सोचते होंगे कि ट्रैक पर पहियों के घर्षण बल के कारण जंग नहीं लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। रेल की पटरी बनाने के लिये एक खास किस्म की स्टील का उपयोग किया जाता है। स्टील और मेंगलॉय को मिला कर ट्रेन की पटरियों को तैयार किया जाता है। स्टील और मेंगलॉय के इस मिश्रण को मैंगनीज स्टील कहा जाता है। इस वजह से ऑक्सीकरण नहीं होता है और कई सालों तक इसमें जंग नहीं लगती है।

**ट्रैक अगर आम लोहे से बने तो क्या होगा**

रेल की पटरियों को अगर आम लोहे से बनाया जाएगा तो हवा की नमी के कारण उसमें जंग लग सकती है। इसकी वजह से पटरियों को जल्दी-जल्दी बदलना पड़ेगा और साथ ही इससे रेल दुर्घटनाएं होने का खतरा भी बना रहेगा इसलिए रेलवे इन पटरियों के निर्माण में खास तरह के मैटेरियल का इस्तेमाल करता है।

# बर्फ से क्यों निकलता है धुंआ क्या है इसके पीछे की वजह

बर्फ जमाने के लिए सबसे पहले पानी को ठंडा करना पड़ता है। पानी से बर्फ बनने की प्रक्रिया तब शुरू होती है जब तापमान जीरो डिग्री तक ठंडा होता है। अक्सर आपने देखा होगा कि पानी में ड्राय बर्फ का टुकड़ा डालने पर उसमें से धुंआ निकलने लगता है या फिर कभी बर्फ की सिल्ली देखी होगी तो उसमें से धुंआ निकलता हुआ दिखाई देता है। सबको पता है कि बर्फ ठंडी होती है और विज्ञान भी यही कहता है। अब सवाल यह है कि जब बर्फ ठंडी होती है तो उसमें से गर्म पानी की तरह भाप क्यों निकलती है। ठंडे बर्फ से निकला धुंआ कोहरा या कार्बन डाइऑक्साइड नहीं बल्कि कुछ और ही होता है। आखिर कैसे बर्फ से धुआं निकलता है। बर्फ या बर्फ की सिल्ली से निकलने वाला धुंआ कोई गैस नहीं बल्कि बर्फ की ठंड के कारण उसके आसपास जमी हुई वाष्प होती है। जब बर्फ के आसपास की हवा ज्यादा ठंडी हो जाती है तो उसमें से थोड़ी वाष्प पानी की बूंदों में बदल जाती है। यही कारण है कि जमी हुई वाष्प हवा के झोंके में धुएं की तरह लगती है।

**बर्फ से कैसे निकलने लगती है भाप**

हम सब जानते हैं कि पानी एक निश्चित तापमान से नीचे जाने पर ठोस में बदल जाता है, जिसे हम बर्फ कहते हैं। हवा में पानी गैस की अवस्था में होती है और हवा जब बर्फ की सतह को छूती है तो वह छोटी-छोटी बूंदों के रुप में निकलने लगती है जो हमें भाप के रुप मे दिखाई पड़ती है।

**तीन अवस्था में होता है पानी**

विज्ञान के मुताबिक पानी तीन अवस्था ठोस, द्रव और गैस में होता है। पानी जब अपनी ठोस अवस्था में होता है तो बर्फ कहलाता है। वहीं द्रव होने पर जल और गैसीय अवस्था में होने पर भाप कहलाता है।

# कोहरे के बीच बारिश से बढ़ी ठिठुरन, जनजीवन अस्त-व्यस्त

**अगले दो दिन मौसम खराब रहने का अनुमान घरों में दुबके लोग, शीतलहर रहेगी जारी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कोहरे की चपेट में हैं। वहीं अधिकांश जगह बारिश ने ठंडक को और बढ़ा दिया है। पश्चिमी के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य व बुंदेलखंड में बारिश जारी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अभी दो दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। इतना ही नहीं 26 जनरी तक उत्तर प्रदेश में शीत लहर भी जारी रहेगी।

उत्तर प्रदेश में आज से बारिश जारी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, सहारनपुर तथा अन्य जिलों में गरज से साथ हल्की वर्षा हो रही है। राजधानी लखनऊ में भी बरसात के कारण सड़कें तर हो गई हैं। भयंकर ठंड के कारण लोग घरों में दुबके हैं। प्रदेश में अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की बढ़त देखी जा सकती है। इसके साथ ही लगभग पूरे प्रदेश में सुबह के समय कोहरा छाया रहा। झांसी में भी सुबह से बारिश होने लगी। इस बेमौसम बारिश से लोग काफी परेशान हैं। ठंडक बढ़ने से दिनचर्या ठप सी हो गई है। कानपुर, आगरा के अलावा मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि जिले में भी ऐसा ही मौसम है। गाजियाबाद में रात भर रुक-रुककर बारिश होती रही। वाराणसी में बादल छाए हैं। आसमान में धुंध है। धूप की लुकाछिपी है। शाम तक बूंदाबादी की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार मौसम ने फिर करवट ली है। प्रदेश बादलों की आगोश में रहेगा। हर जगह बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश भी होती रहेगी। 23 और 24 जनवरी को भी पूरे प्रदेश में बारिश होने की संभावना है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में शीत लहर जारी रहने का अनुमान भी जताया है।

फोटोः सुमित कुमार

## फसल पर भी असर

मौसम में अचानक बदलाव के कारण बारिश से किसानों के चेहरों पर मायूसी छाने लगी है। खेतों में खड़ी सरसों की फसल फलियों से लदी है। फसल गिरी तो पैदावार में भारी गिरावट आएगी। वहीं गन्ना किसानों एवं मिलों के लिए भी बारिश बड़ी समस्या बन रही है। गन्ना क्रय केन्द्रों में पानी भरने से तौल बंद रहती है। वहीं गन्ना छिलाई कार्य बंद रहने से किसान के सामने पशुओं के लिए चारे का संकट पैदा हो रहा है।

# अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ कांग्रेस मंत्री ने खोला मोर्चा

» मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ अपने बेटे के पक्ष में की रैली



4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। बागवानी मंत्री राणा गुरजीत सिंह पुत्र मोह में लगातार बगावती तेवर दिखा रहे हैं। राणा ने सुल्तानपुर लोधी में कांग्रेस उम्मीदवार नवतेज सिंह चीमा के पैतृक गांव बूसोवाल से बेटे राणा इंद्रप्रताप सिंह को आजाद जिताने के लिए चुनावी सभा करके सरेआम हुंकार भरी। अब मंत्री राणा सरेआम अपना हलका कपूरथला छोड़कर बेटे इंद्र के हलके में न केवल सरगर्मियां बढ़ा रहे हैं, बल्कि राणा इंद्रप्रताप सिंह के गांव बूसोवाल में पक्का डेरा लगने की बात भी कह रहे हैं।

राणा गुरजीत सिंह अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी नवतेज सिंह चीमा के खिलाफ लामबंद होकर पार्टी अनुशासन भंग करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राणा गुरजीत सिंह ने अपने बेटे राणा प्रताप सिंह की सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव मुहिम का आगाज विधायक नवतेज सिंह चीमा के पैतृक गांव बूसोवाल से किया, जहां बड़ी संख्या में गांववासियों ने राणा गुरजीत सिंह को भरोसा दिलाया कि उनके लड़के इंद्र प्रताप सिंह को भारी मतदान कर विजेता बनाएंगे। इससे पहले राणा गुरजीत सिंह गांव बुसोवाल में राणा इंद्रप्रताप सिंह के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

## मालगाड़ी के 15 डिब्बे हुए बेपटरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मथुरा जिले में शुक्रवार देर रात मथुरा-दिल्ली रेल मार्ग पर भूतेश्वर वृंदावन के मध्य सीमेंट से भरी मालगाड़ी के 15 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। यह ट्रेन दिल्ली से आगरा आ रही थी। इस दुर्घटना के कारण मथुरा की ओर आने वाली सभी ट्रेनों का रूट डायवर्ट किए गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और पुलिस प्रशासन के स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। रेलवे की टीम युद्ध स्तर पर ट्रैक से डिब्बे हटाने का काम कर रही है।

कोहरे के कारण उनको रेस्क्यू करने में परेशानी उत्पन्न हो रही है। बड़ी-बड़ी क्रेन से ट्रैक बोगियां हटाई जा रही हैं। मुंबई से आने वाली गाड़ी राजधानी शताब्दी साप्ताहिक ट्रेन युवा स्पेशल सहित आदि महत्वपूर्ण गाड़ियों को दिल्ली जाने के लिए अलग रूट पर डायवर्ट किया गया है। वहीं रेलवे इस मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

## सपा ही दिला सकती है भाजपा से निजात: गोप

### पूर्व प्रदेश महासचिव ने बाराबंकी में किया जनसंपर्क, सपा को वोट देने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। सपा के पूर्व प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने बाराबंकी के विधान सभा क्षेत्र रामनगर सूरतगंज ब्लाक के ग्राम रिछ्ला, मरौचा ईश्वरी सिंह, बैरागीपुर, जिगनी, गोपालपुर, जेठवासी, जगदीशपुर, क्योटला समेत दर्जनों गांवों में जन संपर्क कर ग्रामीणों से सपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने चन्दन लगाकर उनको आशीर्वाद दिया।



पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कहा कि समाजवादी पार्टी ही विकल्प है जो इस झूठ बोलने वाली भाजपा सरकार से निजात दिला सकती है। आम जन आज भी पन्द्रह लाख आने की आस लगाए बैठा है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि किसान की आय दोगुनी करेंगे परन्तु आय दोगुनी तो नहीं हुई बल्कि बीज और खाद के दाम जरूर आसमान पर पहुंच गए। खाद की बोरी से पांच किलो खाद भी चोरी कर ली गई। बाबा जी के सांड ने तो किसानों का जीना हराम कर दिया है। किसान सर्दी में रात भर जागकर भी अपने खेत को बचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि सपा को जिताएं और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएं तभी किसानों की आय दोगुनी होगी। गन्ने के बकाए का भुगतान होगा। किसान क्रेडिट कार्ड का ब्याज माफ होगा। सभी विभागों के कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल होगी। उन्होंने अपील की कि सपा की सरकार बनाए तभी प्रदेश का चौमुखी विकास होगा। जनता खुशहाल होगी। रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस मौके पर सपा नेता रामनाथ मौर्य, यशवंत सिंह यादव, मेराज प्रधान,अतीक चौधरी, हशमत अली, पारस चौहान, प्रभात सिंह आदि मौजूद रहे।

## कांग्रेस प्रत्याशी सलमान के घर पर जिला बदर का नोटिस चस्पा

**अलीगढ़।** विधान सभा चुनावों के नामांकन के आखिरी दिन पुलिस ने अलीगढ़ शहर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सलमान इम्तियाज के घर पर जिला बदर का नोटिस चस्पा किया है। सीएए-एनआरसी को लेकर शहर में हुए बवाल के बाद सलमान के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई को लेकर पुलिस की ओर से संस्तुति की गई थी। वहीं अब एडीएम कोर्ट से इन्हें जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। छह महीने तक यह जिले की सीमा से बाहर रहेंगे। इससे पूर्व में भी सलमान के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। दो दिन पहले नामांकन करने के बाद सलमान चुनाव प्रचार में जुटे हुए थे, उन्हें शाम को नोटिस के बारे में जानकारी मिली। इसके खिलाफ बवाल व धमकी आदि के छह मामले दर्ज हैं। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर शहर में हुए बवाल के बाद पुलिस ने एक मार्च 2020 को एएमयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सलमान इम्तियाज के खिलाफ गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत जिला बदर में कार्रवाई करने के लिए संस्तुति की थी। वर्तमान में सलमान शहर सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। 15 जनवरी को एडीएम सिटी की अदालत ने जिला बदर के निर्देश दिए हैं। नोटिस को तामील कराने के भी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शुक्रवार को सिविल लाइन पुलिस ने ऊपरकोट जामा मस्जिद के पास स्थित सलमान के घर पर नोटिस चस्पा किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रवेश राणा ने नोटिस चस्पा करने की पुष्टि की है। सलमान इम्तियाज ने दो दिन पहले ही अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है।

# चन्नी सरकार का था पीएम के काफिले की नाकाबंदी का प्लान: अमरिंदर

» तीन महीने में मुख्यमंत्री ने तबादलों और नियुक्तियों को बना दिया उद्योग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर आरोप लगाया है कि उनकी सरकार ने प्रधानमंत्री के काफिले की नाकाबंदी की योजना बनाई थी, जिसके कारण प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही हुई। चन्नी सरकार ने पुलिस को निर्देश दिया था कि किसानों को वहां से न हटाया जाए जो भाजपा की बसों को वहां से निकलने से रोक रहे थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी संवैधानिक प्रमुख को ऐसी घटना का सामना नहीं करना चाहिए था जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से निकटता के कारण प्रधानमंत्री के जीवन के लिए खतरा हो सकती थी। कैप्टन ने कहा कि चन्नी एक अविश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने पिछले तीन महीनों में पंजाब में तबादलों और नियुक्तियों को एक



उद्योग बना दिया है। कैप्टन ने चन्नी सरकार को सूटकेस सरकार बताया। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा चन्नी के रिश्तेदारों से की गई जब्ती उस मामले का फालोअप है, जिसकी जांच के आदेश उन्होंने सरकार का नेतृत्व करते हुए दिए थे। नए मुख्यमंत्री ने पद संभालने के बाद पोस्टिंग और तबादलों के अलावा कुछ नहीं किया। यह पूछे जाने पर कि कोई मौजूदा कांग्रेस विधायक पीएलसी में क्यों शामिल नहीं हो रहा? कैप्टन ने कहा कि वह केवल कांग्रेस पार्टी द्वारा टिकटों की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें जानबूझकर देरी की जा रही है क्योंकि कांग्रेस अपने विधायकों को खोने वाली है।

# तो चुनाव में कांग्रेस लगाएगी भाजपा के वोट बैंक में सेंध!

**लड़की हूं लड़ सकती हूं का दिख रहा असर**
**4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। यूपी का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। कांग्रेस बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है। लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे ने गांव की महिलाओं को अपनी तरफ खींचा है। सवाल यह है कि कांग्रेस के प्रत्याशी के चुनाव लड़ने से किसको नुकसान होगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अमलेंदु उपाध्याय, अजय शुक्ला, प्रोफेसर लक्ष्मण यादव, लेखक सीपी राय, कांग्रेस प्रवक्ता जीशान हैदर और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।**

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा कि मुझे नहीं लगता की कांग्रेस किसी को नुकसान पहुंचा रही है। यह सही है कि लड़की हूं लड़ सकती हूं का असर दिख रहा है। चुनाव के दौरान यह नारा कितना वोटों में तब्दील होगा यह देखने वाली बात होगी। सीपी राय ने कहा कि कांग्रेस जब अपने चरम पर थी तब उसके पास विभिन्न जातियों के नेता थे। प्रियंका गांधी-नेहरू परिवार से हैं। लिहाजा आरएसएस से जुड़ा मीडिया इनको आगे बढ़ाने की कोशिश करता है। पार्टी के पास ब्रांडेड नेता नहीं हैं। कांग्रेस ने व्यवहारिक राजनीति न करके अपना खेल यूपी में खराब कर लिया है। अजय शुक्ला ने कहा, महिला सशक्तीकरण को पंजाब में देखा जा सकता है। यहां कांग्रेस ने पचास फीसदी महिलाओं को आरक्षण दिया है। यूपी में प्रियंका बेहतर राजनीति कर रही हैं। युवाओं को कैसे रोजगार देंगे इस पर सभी पार्टियों को सोचना चाहिए। प्रियंका आरोप और जाति की राजनीति नहीं करती है। कांग्रेस के चुनाव लड़ने से भाजपा को करंट लगेगा। लक्ष्मण यादव ने कहा, यूपी में जाति की राजनीति होती रही है। कांग्रेस ने महिलाओं के सवाल पर अन्य पार्टियों से लीड ले ली है। कांग्रेस अगर मजबूती से लड़ेगी तो वह भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाएगी।

कांग्रेस प्रवक्ता जीशान हैदर ने कहा कांग्रेस सरकारात्मक राजनीति कर रही है। पार्टी वंचितों, शोषित महिलाओं को भी टिकट दे रही है। हम भाई-भतीजावाद नहीं कर रहे हैं। प्रियंका गांधी का प्रदेश में राजनीति विजन क्लीयर है।

# प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थान अब तीस जनवरी तक बंद

## कोरोना संक्रमण तथा शीतलहर के कारण लिया गया फैसला

### » ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन पर नहीं पड़ेगा प्रभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को 30 जनवरी तक बंद रखने का फैसला किया है। अब उत्तर प्रदेश के सभी शैक्षणिक (प्राइमरी से लेकर यूनिवर्सिटी) संस्थान 30 जनवरी तक बंद रहेंगे। सरकार ने इसके पहले 14 जनवरी तक प्राइमरी, बेसिक व माध्यमिक स्कूलों को बंद रखा था। इसके बाद 22 जनवरी तक डिग्री कालेज तथा यूनिवर्सिटी को बंद किया गया था। अब इसको बढ़ाकर 30 जनवरी तक कर दिया गया है।**

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। 30 जनवरी तक

स्कूलों में बंदी की अवधि को शासन की ओर से आज एक आदेश जारी कर बढ़ा दिया गया है। हालांकि इस आदेश का पूर्व से चल रही ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से जारी पत्र में 23 जनवरी तक का पूर्व में जारी अवकाश को आगामी एक सप्ताह के लिए और बढ़ा कर 30 जनवरी कर देने की जानकारी साझा की गई है। पत्र के अनुसार मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त, चिकित्साधिकारी और जिलाधिकारी सहित तमाम अधिकारियों को सूचना देकर इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने की अपील की गई है। कोरोना संक्रमण काल में ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने की जानकारी पत्र में दी गई है। बताया गया है कि इस बाबत सम्यक विचारोपरांत यह तय किया गया है कि तीस जनवरी तक तो स्कूल बंद रहेंगे मगर ऑनलाइन संचालित हो रही कक्षाओं को देखते हुए उनको इस आदेश से अलग रखा गया है। इस लिहाज से ऑनलाइन कक्षाएं पूर्व की भांति संचालित होती रहेंगी।

# बसपा ने दूसरे चरण के लिए 51 प्रत्याशियों के नामों का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

### » मायावती ने पार्टी के लिए दिया नया नारा, प्रदेश में सरकार बनाने का किया दावा

**लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने आज यूपी विधान सभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के 51 प्रत्याशियों की सूची जारी की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने हर पोलिंग में जिताना है, सत्ता में आना है का नारा भी दिया।**

मायावती ने कहा कि कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए चुनाव प्रचार करें। हालांकि मायावती ने ये नहीं बताया कि इस बार चुनाव में बसपा किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड में अकेले तथा पंजाब में अकाली दल के साथ मिलकर लड़ रही है। हमको भरोसा है कि हम तीनों राज्यों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी सरकार बनाएंगे। बसपा प्रमुख ने दूसरे चरण की 55 में से 51 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। बचे हुए 4 उम्मीदवारों के नाम जल्द घोषित किए जाएंगे। सूची में बेहट विधान सभा सीट से रईस मलिक, नकुड से साहिल खान, सहारनपुर नगर सीट से मनीष अरोड़ा, सहारनपुर देहात सीट पर अजब सिंह, देवबंद विधानसभा सीट पर चौधरी राजेंद्र सिंह, रामपुर मनिहारान सीट पर रविंद्र कुमार तथा गंगोह सीट पर नोमान मसूद को प्रत्याशी बनाया है। बसपा की इस सूची में नोमान मसूद, मनीष अरोड़ा और साहिल खान तीनों ऐसे प्रत्याशी हैं जो हाल के दिनों में दूसरी पार्टियां छोड़कर बसपा में शामिल हुए हैं। नोमान मसूद इमरान मसूद के भाई हैं जो पहले कांग्रेस में थे।

# अयोध्या में ट्रक और बस की टक्कर, एक की मौत, 16 घायल

### » अंबेडकरनगर से अयोध्या जा रही थी बस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**अयोध्या। कोहरे के कारण यात्रियों से भरी निजी बस और एक ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 16 अन्य घायल हो गए। घायलों का उपचार दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।**

आज सुबह यात्रियों को लेकर अंबेडकरनगर से निजी बस अयोध्या की ओर जा रही थी। रामनगरी में दर्शननगर के निकट मुख्य मार्ग पर सहिनवां के पास घने कोहरे के कारण एक ट्रक से बस की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देने से साथ बचाव कार्य शुरू कर दिया। कुछ ही देर में कोतवाल अयोध्या देवेंद्र पांडेय भी पहुंच गए और बचाव कार्य में लगते हुए घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। कोतवाल अयोध्या ने बताया कि दुर्घटना में बस सवार अंबेडकर नगर जिले के आलापुर दिलावरपुर निवासी 28 वर्षीय हरिश्चंद्र की मौत हो गई।

घायलों में अंबेडकरनगर ने हंसवर निवासी प्रदीप सिंह, सिराज अहमद, कमाल अहमद, गंगासागर और उनका पुत्र सचिन, मोनू, रामनयन, हरीश ओझा, नरगिस, रामू, लक्ष्मी और उसका भाई रामनयन, आजमगढ़ के अतरौलिया निवासी अजय यादव सहित 16 लोग शामिल हैं। सभी की हालत खतरे से बाहर है और प्राथमिक उपचार के उन्हें रिलीव कर दिया जाएगा। दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को मुख्य मार्ग से हटा कर यातायात सामान्य करा दिया गया है। ट्रक चालक का पता नहीं चल रहा है।

फोटो :4 पीएम

**भाजपा का चुनाव रथ रवाना**

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान को गति देने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में चुनाव अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह मौजूद रहे।

# दिखी गणतंत्र दिवस परेड की झांकी

## की गई फुल ड्रेस रिहर्सल

**लखनऊ। कड़ाके की ठंड और बारिश के बीच गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल की गयी। यह परेड चारबाग से लेकर विधान सभा तक निकली। कोरोना प्रोटोकाल के तहत मुख्य सचिव की ओर से जारी गाइडलाइन के तहत 26 जनवरी को भारतीय गणतंत्र दिवस पूरी सादगी से मनाया जाएगा लेकिन परेड और झांकी निकलेंगी। सुरक्षा बलों की टीम ने फुल ड्रेस रिहर्सल कर 26 जनवरी को होने वाली परेड की झलक पेश की।**

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।